राजस्थान सरकार

राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उदयपुर

RSCERT Udaipur

हवामहल

बच्चों का झरोखा

18 नवम्बर 2023: शनिवार: वर्ष – 04: अंक – 31

लालाजी और पानी

आज की कविता

लालाजी चले नहाने । नहाने वाले टब में बैठे और लगे जोर से गाने। गाते-गाते मलते जाते खूब सारा साबुन। पानी पूरा बहता जाता, अपनी मस्ती अपनी धुन। जब बारी आई नहाने की, याद न रही गाने की। तब तक लेकिन पानी गया चुक, लालाजी की जान हुई धुक धुक धुक धुक। अब लालाजी क्या करेंगे? बदन पोंछेंगे या सिर धुनेंगे? ये मजेदार कविता विडिओ देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

3+ वर्ष के बच्चों के लिए। Infobells

आनन्द

आज की कहानी

आनन्द अपने काम में बहुत होशियार है । वह अपने काम के दौरान कितने अलग अलग लोगों से मिलता है। कोई रौब दिखाता है, कोई झिड़की देता है, कोई निगरानी करता है पर काम में हाथ बटाने वाला कोई नहीं । हां सलीम उसका दोस्त है, इसलिए उसे सलीम की गली में जाना सबसे ज्यादा पसंद है । दोनों मिलकर क्या धमाल करते हैं ? सुनते हैं ये कहानी । चित्र पर क्लिक करें ।

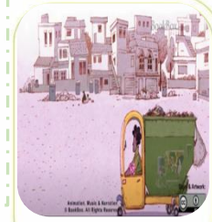

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Bookbox

इस बंदर को भगाओ

आज की किताब

विनी के पेट में एक बन्दर है। वह उछल कूद करके विनी को परेशान करता है । जब विनी सब्जियां चुनने जाती है या टिड्डे या मछलियाँ पकड़ने जाती है तब भी बन्दर उसे मजे से ये काम नहीं करने देता। वह न तो नाच-गा पाती है और न पिकनिक का मजा ले पाती है। थक हारकर वह माँ से उस बन्दर को भगाने के लिए कहती है। क्या माँ ये कर पाई ? कहानी पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Room to Read

घूमने वाली किताब

आज की गतिविधि

एक ऐसी किताब की कल्पना कीजिए जिसे आप घुमा घुमा कर खोल और पढ़ सकते हों। कितनी मजेदार होगी वह किताब! और सबसे कमाल की बात यह कि घुमाकर आप फिर से उसे शुरू कर सकते हैं । इस तरह यह कभी न खत्म होने वाली किताब होगी । इस किताब के लिए आपको चाहिए चौकोर बड़े कागज और गोंद। बनाने की विधि देखने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

6+ वर्ष के बच्चों के लिए। Arvindguptatoys

पढ़ना-लिखना- सुनना- बोलना, साथ साथ कैसे ?

टीचर्स कॉर्नर

जब हम बोलते हैं तो सुन भी रहे होते हैं और जब लिखते हैं तो पढ़ भी रहे होते हैं । पर देखने में आता है कि बच्चे सुन तो बहुत रहे हैं लेकिन बोलने का कौशल उतना मजबूत नहीं दिखता इसी तरह लिख तो ले रहे हैं लेकिन लिखा हुआ पढ़ना बहुत कम हो पा रहा है। इस समस्या की जड़ पढ़ना लिखना सिखाने के हमारे स्कूली तरीके मे है। महेश के इस आलेख को पढ़ने के लिए चित्र पर क्लिक करें ।

शिक्षकों के लिए। Pathshala

वह जादुई स्कूल

हमारा पुस्तकालय

बरसों पहले सेवाग्राम आश्रम के विद्यालय में पढ़ाई के लिए अपनाए गए तरीके नायाब थे। तरीके तो आज भी प्रासंगिक हैं लेकिन वैसे स्कूल अब नहीं रहे। आखिर ऐसे स्कूल में क्या खास बात थी? गांधीजी की नई-तालीम पद्धति के अनुसार प्रकृति के करीब रहकर और समाज उपयोगी काम करके ही बुद्धि का विकास होगा और बच्चे अनेक कुशलताएं हासिल करेंगे। चित्र पर क्लिक कर लेख पढ़े।

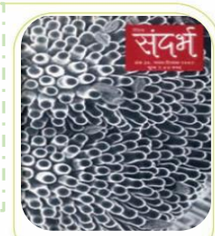

शिक्षकों के लिए। Sandarbh

#सबपढ़े

#सबबढ़े

साथियों, हवामहल का 186वाँ अंक आपके हाथों में हैं। खुद जुड़िये और अपने दोस्तों को भी जोडिए। बताइएगा कि यह अंक कैसा लगा?

हवामहल के सभी अंकों को प्राप्त करने के लिये यह QR कोड स्कैन करें।

आज का अंक आपको कैसा लगा? अपने सुझावों से अवगत कराने के लिए सुझाव पेटिका के चित्र पर क्लिक करें।